पाठ 4

आधुनिक विश्व- II

औद्योगिक क्रांति की शुरुआत ब्रिटेन में भाप की शक्ति के उपयोग से शुरू हुई | वह 1769 में जेम्स वाट के भाप इंजन बनाने के बाद संभव हुआ |1733 में जॉन केयस ने उड़ती तुरी का आविष्कार किया, जिससे कपड़े बुनने की प्रक्रिया को चार गुना बड़ा कर आसान कर दिया, जेम्स हरग्रीवस ने एक हाथ संचालित चरखा जेनी का अविष्कार किया ,जिससे एक बार में ही कई धागे बनने लगे | अतः इस अवधि में वस्त्र उद्योग प्रमुख बन गया | ब्रिटेन में लोहा व कोयले की बड़ी मात्रा ने भी औद्योगिक विकास में अपनी महत्पूर्ण भूमिका निभाई | नगरों, नहरों, सड़को, रेल, जहाज, आदि ने निर्मित वस्तुओं के बाजार को फ़ैलाया और पेट्रोल, इंजन, बिजली के साथ नया काल शुरू हुआ |

ब्रिटेन में हुई इस औधोगिक क्रांति का असर पूरे विश्व में नजर आने लगा | इन सभी कारकों ने ब्रिटेन में कृषि को बढ़ावा दिया | जेथ्रो टूल बीज रोपण ड्रिल ने बीजों को समान अन्तराल व गहराई पर बुवाई से कृषि में अपनी जगह बनाई | 1760 से 1830 के बीच, ब्रिटिश संसद ने लगभग 1000 सलंग्नक अधिनियमों द्वारा भूमि को जो पहले जिस समुदाय की थी उनको बड़े क्षेत्रों से जोड़ दिया , जिससे कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली |

इंग्लैंड में मुख्य रूप से अपने परिवहन के विकास के कारण विदेशी बाजारों पर कब्ज़ा करने में सक्षम था, कई देशों ने वाणिज्यवाद की नीति का पालन शुरू किया| इस सिद्धान्त में कोई भी देश निर्यात अधिक तथा आयात कम करने का प्रयास करे और सरकार का व्यापार में हस्तक्षेप सीमित होना चाहिए |

वह कारण जिन्होंने ब्रिटेन को औद्यौगिक क्रांति वाला पहला देश बनाया

1. ब्रिटेन ने अपनी भौगोलिक स्तिथि का भरपूर उपयोग किया |

2. समुद्र तट से समीपता |

3. विशाल रुकावट मुक्त व्यापार क्षेत्र |

इन्ही कारकों के कारण इंग्लैड ने अन्य देशों से ज्यादा त्वरित प्रगति कर सब को चौका दिया |

औद्यौगिक क्रांति के दौरान हुए नवीन और प्रोद्योगिक परिवर्तन

कई नवीन आविष्कार और प्रोद्योगिकीय परिवर्तनों ने औद्योगिक देशों को और अधिक शक्तिशाली व कुशल बनाने में मदद की, अब उत्पादन बड़ी मात्रा में सस्ता और बहुत तेजी से किया जा सकता था | इन अविष्कारों का कपड़ा और परिवहन उद्योगों पर बहुत प्रभाव पड़ा |

वस्त्र उद्योग - कपड़ा उद्योग में तकनीकी प्रगति ने लोहा और इस्पात उत्पादन में अविष्कारों की एक श्रृखला शुरू कर दी | अन्य देशों ने इंग्लैंड के उस उदाहरण से प्रेरणा ली इस समय इंग्लैंड में निर्मित वस्तुओं की दुनिया के बाजार में बाढ़ आ गयी | ब्रिटेन ने अपने हितों की रक्षा हेतु एक कानून पारित किया जिसमें कपड़ा मजदूरों को दूसरे देशों की यात्रा करने और औद्यौगिक तकनीकी की जानकारी बाहर न खोलने पर प्रतिबंध लगा दिया | परन्तु 1779 में शमूएल क्रोम्पटन ने स्पिनिंग म्यूल का अविष्कार किया जबकि एडमंड कार्टराइट ने पहले पानी संचालित करघे का अविष्कार किया | 1789 में शमूएल क्रोम्पटन इंग्लैंड से बाहर निकल कर अमेरिका पहुंचा | वह अपने साथ ब्रिटिश कपड़ा उद्योग का ज्ञान भी ले गया जिससे अमेरिका में भी औद्योगिक क्रांति प्रारंभ हुई | इसी तरह फ़्रांस और जर्मनी में भी औद्योगिक क्रांति शुरू हुई |

आर्क राईट कारखाने प्रणाली का पिता माना जाता है, उसने पहला कारखाना मुख्य रूप से घरेलू मशीनों से तैयार किया और उसमे कम करने के घंटे तय कर दिए और लोगों को अनुबंध पर रखा था |

भाप का इंजन - औधोगिक क्रांति की एक और बड़ी उपलब्धि भाप की शक्ति का विकास और प्रयोग था, पहले के उपकरणों में सुधार किया गया, इससे उद्योगों की संख्या बढ़ गयी | 1705 में थॉमस न्यू कॉमन कोयला खानों से पानी निकालने के लिए एक इंजन का निर्माण किया | 1761 में जेम्स वाट और न्यूकॉमन के इंजन के डिजाइन और दक्षता में चार गुना सुधार किया गया, यह काल प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की अवधि थी | वाट ने जॉन विल्किन्सन के ड्रील के बन्दूक का इस्तेमाल करने के लिए अपने इंजन में बड़े सिलेंडर बोर किया | भाप इंजन ने जल्द ही लोकोमोटिव कोयला इंजन की जगह ले ली, इससे रेलवे लाइनों की मांग में बढोतरी हुई |

कोयला और लौह - भाप इंजन ने कोयला और लोहे के साथ आधुनिक उद्योग की नींव रखी | उस समय मान्यता थी कि जिन लोगों की मौत की इच्छा हो वही खानों में काम कर सकते थे | खानों से कोयला का ढकेलना पूरी तरह जानवर, आदमी और बच्चों की ताकत पर निर्भर था, भाप शक्ति के उपयोग की अधिकता से कोयले की मांग बढ़ने लगी | कोयला खानों में कई सुधार किये गये, सुरंगों को हवादार बनाया गया तथा विस्फोट के लिए बारूद का उपयोग किया गया | 1709 में इब्राहीम डर्बी कोक के साथ ढलवा लोहे का उत्पादन किया | ढलवा लोहा लकड़ी के कोयले से प्राप्त किया जाता था | अतः जल्द ही जंगल खत्म होने लगे 1784 में हेनरी कर्ट जो एक आयरन मास्टर थे ने एक कम भंगुर लोहे के उत्पादन हेतु प्रक्रिया विकसित की | 1774 में जॉन विल्क्लिसन ने एक डीलिंग मशीन का अविष्कार किया |

परिवहन और संचार के साधन - परिवहन और संचार के साधनों ने औद्योगिक क्रांति को बहुत प्रोत्साहित किया | 1700 में पुल और सड़कों में सुधार शुरू हुए | 1814 में जार्ज स्टीवेंसन ने पहले भाप लोकोमोटिव इंजन का निर्माण किया जो रेलवे ट्रेक पर चला | इन सब से नहर परिवहन को समर्थन मिला, माइकल फैराडे ने पहली इलेक्ट्रिक मोटर की खोज करने का गौरव प्राप्त किया |

औद्योगिक क्रांति के प्रभाव - औद्योगिक क्रांति ने शहरी जनता के आंदोलनों को प्रोत्साहित किया | जिसने एक शहरी समाज को जन्म दिया, श्रमिक अब रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु कार्यशालाओं के पास ही रहने लगे, लेकिन कारखानों में काम करने की स्थिति दयनीय थी | वहॉ आवास, स्वच्छता व स्वास्थ्य की स्थिति बहुत ख़राब थी | कारखानों के मालिकों का सिर्फ लाभ कमाने से मतलब था | अतः वह मजदुरों से 1414 घंटे काम करवाते और कम

मजदूरी देते थे | महिलाओं और बच्चों को तो नाममात्र की मजदूरी मिलती थी | इन सब परिस्थितयों ने मजदूरों में एकता जगाई और उन्होंने ट्रेड यूनियनों का निर्माण कर आन्दोलन किया और बेकार कानूनों को खत्म करवाया |

साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का उत्थान - 19 वीं सदी के अन्त तक अधिकांश यूरोपीय देशों में औद्योगिक क्रांति हो चुकी थी, इन देशों को तैयार माल को बेचने हेतु बाजार और कच्चे माल के लिए जमीन की आवश्यकता थी | अतः इन विकसित देशों ने पिछड़े और गरीब देशों को नियंत्रण में लेना शुरू कर दिया | इन देशों में अभी औद्योगिकीकरण शुरू नही हुआ था | सभी विकसित देशों के पूंजीपतियों को अपनी अधिशेष पूंजी निवेश के लिए नये स्थानों की जरुरत थी ताकि वह अपने उद्योग लगा सके |

किसी दूसरे देश के राजनीतिक और आर्थिक जीवन पर नियंत्रण और शासन को विस्तार देने की इस प्रक्रिया को साम्राज्यवाद के रूप में जाना जाता हैं | यह सैन्य या अन्य माध्यमों से प्राप्त किया जा सकता है उपनिवेशवाद का अर्थ है - किसी भी साम्राज्यवादी देश द्वारा युद्ध या छल-कपट से दूसरे देश या उसकी जमीन पर कब्ज़ा कर लेना | जैसे ब्रिटेन ने भारत पर कब्ज़ा कर भारत को अपना उपनिवेश बनाया|

प्रथम विश्व युद्ध - औद्योगिकरण उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद ने यूरोपीय देशों के बीच प्रतिद्वन्दिता शुरू हो गयी, आपसी अविश्वास और दुश्मनी के कारण कोई समझौता संभव नही था | अतः 1914 में पूरी दुनिया से घिरा एक युद्ध हुआ, इसमें सभी प्रमुख देशों के साथ-साथ उनके उपनिवेशों को भी शामिल किया गया, इस ऐतिहासिक युद्ध में सभी देशों ने सेना नौसेना और वायु सेना को शामिल किया गया | नागरिक आबादी पर अँधाधुंध बमबारी की वजह से भीषण दुर्घटना का सामना करना पड़ा | इस विश्व युद्ध को दुनिया के इतिहास में एक मोड़ के रूप में देखा जाता है |

प्रथम विश्व युद्ध के कारण -

1. सभी देशों के मध्य प्रतिद्वन्दिता तथा साम्राज्यवादी भावना |

2. जर्मनी की जबरदस्त आर्थिक व औद्योगिक प्रगति |

3. जर्मनी द्वारा युद्धपोत का निर्माण करना तथा कील नहर द्वारा उत्तरी सागर व बाल्टिक सागर की तट रेखा से जोड़ना |

4. इंग्लैंड, फ्रास, जर्मनी, अमेरिका, जापान, इटली आदि देशों की विस्तारवादी नीतियां |

गठबंधन की प्रक्रिया - 1882 में जर्मनी, आस्ट्रिया, इटली ने ट्रिपल एलायंस पर अपनी विरोधी शक्तियों के खिलाफ आपसी सैन्य सहायता की संधि पर हस्ताक्षर किये | इंग्लैंड, रूस, फ्रांस ने 1907 ने ट्रिपल अंतंत पर हस्ताक्षर करने से दो विरोधी समूहों का उद्भव और यूरोपीय शक्ति के बीच तनाव और सघर्ष ने यूरोप को दो गुटों में विभाजित कर दिया|

पान स्लाव आन्दोलन और वाल्कन राजनीति - पूर्वी यूरोप के वाल्कन के ग्रीस, रोमानिया, बुल्गारिया, सर्बिया, मॉन्टेंगरो, आदि छोटे राज्यों ने अपने तुर्क सम्राट के खिलाफ आवाज उठाना शुरू कर दी तो आस्ट्रिया, रूस आदि देश अपने पैर ज़माने आ गये बात तब और जटिल हो गयी जब यहाँ के निवासियों में राष्ट्रीय भावना का पुनःउद्धार हुआ, इसे ही स्लाव कहा जाता है |

1908 में आस्ट्रिया ने दो स्लाव राज्य बोस्निया और हर्जेगोविना पर कब्ज़ा कर लिया जो सर्बिया और आस्ट्रिया के बीच दुश्मनी का कारण बना | 1912 और 1914 के बीच वाल्कन राज्यों ने स्वतंत्रता के लिए तुर्क सम्राट के खिलाफ युद्ध लड़े अंत में तुर्की की हार हुई |

प्रथम विश्व युद्ध की कार्य विधि - (1914-1918) 9 अगस्त 1914 से नवम्बर 1918 तक प्रथम विश्व युद्ध चला ,इस अवधि में कई महत्वपूर्ण लड़ाईया लड़ी गई | 1914 में मार्ने की लड़ाई, 1916 में वेडू की लड़ाई, सोमे की लड़ाई, जूटलैक्ड की लड़ाई आदि |

1917 में दो महत्वपूर्ण घटनाओं को देखा गया -इस युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका का शामिल होना तथा 2. नवम्बर में रूस का लड़ाई से अलग होना | 1915 में एक ब्रिटिश यात्री जहाज लूसिपुनिया ने जर्मन की यु बोट को डुबो दिया | जिसमें 128 अमेरिकी नागरिक यात्रा कर रहे थे | वह मारे गये | अमरीकी सीनेट ने इसे बहुत गंभीरता से लिया और एक शक्तिशाली देश बनने के रास्ते में जर्मनी को खतरा पैदा किये | 3.जुलाई 1918 में जर्मनी का पतन शुरू हुआ | 4. युद्ध के दौरान मशीनगन, जहरीली गैस, तरल आग, पनडुब्बी और टेंकर के रूप में कई आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया गया |

प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम -

प्रथम विश्व युद्ध को दुनिया के सबसे विनाशकारी और भयावह घटनाओं के रूप में देखा जाता है |

निर्दोष नागरिकों सहित एक लाख लोगों को उनकी जान से हाथ धोना पड़ा और अधिकांश यूरोपीय देशों में सम्पति का भारी नुकसान हुआ, अनुमान है की इस युद्ध का कुल खर्च 182 अरब डॉलर है, युद्ध में इतना बड़ा नुकसान होने के बाद अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था टूटने लगी और चारों तरफ सामाजिक तनाव, बेरोजगारी और गरीबी फैल गई |

जनवरी से जून 1919 के बीच युद्ध में जीते हुए देश वारसाई महल में मिले थे, जिसमें पेरिस को पराजित शक्तियों का भविष्य तय करना था, यह निर्णय ब्रिटेन, फ़्रांस, अमेरिका के प्रमुखों द्वारा लिया गया था | जिसमे रूस को बाहर रखा गया था | इसमें 27 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया |

सेंट जर्मेन की संधि में आस्ट्रिया से हंगरी को अलग किया गया और हंगरी को स्वतंत्र देश बनाया गया

युद्ध और शांति संधियों ने दुनिया के विशेषरूप से यूरोप के राजनैतिक नक़्शे को बदल दिया |

लीग ऑफ - युद्ध के परिणामों को देखने के बाद दुनिया में शांति और सुरक्षा को बढावा देने तथा अन्तरर्राष्ट्रीय विवादों को सहयोग व शांतिपूर्ण तरीके से निपटाने हेतु 1920 में लीग ऑफ नेशन की स्थापना की गयी | जिसका कार्यालय जिनेवा में रखा गया, परन्तु असहयोग व आपसी मतभेदों के चलते यह संस्था अपने उदेश्यों को प्राप्त नही कर पाई |

दो विश्व युद्ध के बीच दुनिया - दो विश्व युद्ध के बीच 20 साल की अवधि में दुनिया में महत्वपूर्ण परिवर्तन का अनुभव किया गया, एक तरफ सकारात्मक परिवर्तन जैसे- राष्ट्रीय चेतना का विकास व एशिया, अफ्रीका, सोवियर संघ

के कई देशों में समाजवादी आन्दोलन लोकप्रिय हुए | वहीं दूसरी तरफ इटली और जर्मनी में तानाशाही का सबसे बुरा रूप देखा गया | इसी समय अमेरिका में 1929 में महामंदी आई जिसने सबको प्रभावित किया |

विश्व के अन्य भागों में विकास -

इंग्लैंड व फ्रांस को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा | इंग्लैंड में मजदूर हड़ताल व और कई अन्य समस्याओं के रहते 1931 में साझा सरकार बनानी पड़ी | लेबर, लिबरल व कंजरवेर्टिव के सहयोग से हल करने की कोशिश की गयी | 1936 में वामपंथी पार्टियों ने लोकप्रिय सरकार बनाई |

सोवियत रूस दुनिया के पहले समाजवादी देश के रूप में उभरा | वही अमेरिका औद्योगिक विकास, राजनैतिक स्थिरता, आर्थिक विकास के बलपर सुपर पवार बन गया | 1929 अमेरिका में महामंदी आई तो फ्रेंकलिन रूजवेल्ट ने न्यू डील नामक आर्थिक पुननिर्माण का कार्यक्रम प्रस्तुत किया | केवल जापान ही एशिया का ऐसा देश था जो साम्राज्यवादी ताकत के रूप में उभरा और 1905 में रूस को हरा कर जापान एक सैनिक शक्ति बन गया व फासीवाद का समर्थन किया | एटीकीमेंटेन समझौते पर भी इटली व जर्मनी के साथ हस्ताक्षर किये ताकि साम्यवाद का प्रसार रोका जा सके |

फासीवाद और नाजीवाद के विकास के चरण -

फासीवाद जिसका मुख्य उद्देश्य तानाशाही की स्थापना करना था इन्हें शासकों, उच्च वर्गों, अभिजात और पूंजीपतियों का समर्थन प्राप्त था क्योंकि यह वर्ग समाजवाद नहीं चाहते थे, फासीवाद के प्रवर्तक मुसोलीनी थे, जो की इटली के निवासी थे | फासीवाद का शाब्दिक अर्थ है- फासीवाद एक लैटिन शब्द है, जिसका अर्थ है सत्ता के अधिकार या सत्ता का प्रतीक मुसोलीनी ने इटली में 1925 से 1943 तक तानाशाही शासन किया |

इसी फासीवादी रूप को जर्मन में नाजीवाद के नाम से जाना जाता है | जर्मनी में यह एडॉल्फ हिटलर द्वारा स्थापित किया गया, हिटलर जर्मनी को एक महान राष्ट्र और उसके पुननिर्माण की सोच के खड़ा हुआ था | और यही कारण है कि जर्मनी की जनता उसके साथ शामिल होने के लिए प्रेरित हुई | हिटलर और उसके सहयोगियों की सफलता जर्मन, यूरोप और पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी साबित हुई, वही विश्व के कई देश जिनमें हंगरी, पुर्तगाल, स्पेन में स्थापित सरकारों ने तानाशाही को समर्थन दिया |

कुल मिलाकर कह सकते हैं कि 1919 से 1939 के बीच इटली में मुसोलीनी के नेतृत्व में फासीवाद और जर्मनी में हिटलर के नेतृत्व में नाजीवाद पूरी दुनिया के लिए घातक सिद्ध हुआ | इस तानाशाही सोच ने लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समाजवाद, साम्यवाद और मानवता का दमन किया | इन्हीं ताकतों की वजह से दुनिया में आपसी विश्वास में कमी आई |

द्वितीय विश्व युद्ध -युद्ध की परिस्थितियां बनने के बाद 3 सितम्बर 1939 को युद्ध शुरू हो गया |

द्वितीय विश्व युद्ध के कारण -

1. फांसीवादी देशों की साम्राज्यवादी नीतियाँ -

2. वर्साय की संधि -

3. जापान का सैन्य शक्ति के रूप में उभरना -

4. सोवियत संघ की सफलता -

द्वितीय विश्व युद्ध के परिणाम -

1. मानव इतिहास का सबसे विनाशकारी युद्ध -

2. जर्मनी का विभाजन -

3. अमेरिका और सोवियत संघ सुपर शक्तियां बनी -

4. शीत युद्ध का आरंम्भ - अमेरिका और रूस के बीच वाक्(मौखिक) युद्ध |

5. सयुक्त राष्ट्र की स्थापना -

संयुक्त राष्ट्र संगठन की स्थापना -

युद्ध के परिणामो को देखते हुए दुनिया के नेताओं को शांति हेतु एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की जरुरत का अहसास कराया | ब्रिटीश प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल, सोवियत नेता स्टालिन और अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने शांति स्थापित करने हेतु एक संगठन बनाने के विचार से मुलाकात की | अंत में 24 अक्टुबर 1945 को सेन फ्रांसिस्को में सम्मेलन हुआ और विश्व के 50 देशों ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर हस्ताक्षर कर इस संगठन की स्थापना कर दी | तब से हम 24 अक्टुबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस के रूप में हर साल मानते हैं |

संयुक्त राष्ट्र का ध्वज एक परिपत्र दुनिया के नक़्शे के रूप में उत्तरी ध्रुव से देखता एक हल्के नील रंग की ज़ो पृष्ठभूमि पर केन्द्रित सफ़ेद में जैतुन शाखाओं की एक माला से घिरा हुआ है |